क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 67, सोमवार, 01 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भाजपा ने गुजरात की पांच सीटों घोषित किए उम्मीदवार

अहमदाबाद। भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए गुजरात से चार और उम्मीदवारों की रविवार को घोषणा की। राज्य से जिन चार सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, उन पर तीन मौजूदा सांसदों को टिकट नहीं दिये गये है। खेरालू विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक भरत सिंह डाभी पाटन सीट से चुनाव लड़ेंगे जबकि एक जिला पंचायत सदस्य गीता राठवा छोटा उदयपुर (सुरक्षित) से भाजपा उम्मीदवार होंगी। भाजपा में जिला स्तरीय कोषाध्यक्ष मितेश पटेल आणंद से चुनाव लड़ेंगे। इन तीनों सीटों पर मौजूदा सांसदों को टिकट नहीं दिये गये है। पाटन से लीलाधर वाघेला, छोटा उदयपुर (सुरक्षित) से राम सिंह राठवा और आणंद से दिलीप पटेल मौजूदा सांसद हैं। जूनागढ़ संसदीय क्षेत्र से सांसद राजेश चुडासमा को इसी सीट से फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है वाघेला ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अप्रैल-मई में होने वाला लोकसभा चुनाव लडने से इनकार कर दिया था। सत्तारूढ़ पार्टी अब तक राज्य की 26 लोकसभा सीटों में से 23 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

सहारनपुर : त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को फायदा संभव

सहारनपुर । लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर मतदान होने जा रहा है और सहारनपुर लोकसभा सीट पर कहानी दिलचस्प दिखाई दे रही है। सहारनपुर संसदीय क्षेत्र में मुस्लिमों की बड़े पैमाने पर मौजूदगी है और 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस सीट पर कब्जा जमाया था। 2019 में भी यही स्थिति बरकरार रह सकती है। सहारनपुर के महत्व को इस बात से आंका जा सकता है कि भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई ने अपना चुनाव अभियान इसी क्षेत्र से शुरू किया है और बहुजन समाज पार्टी (बसपा)-समाजवादी पार्टी (सपा)-राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) मिलकर यहां अपनी पहली संयुक्त रैली करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर जिले में शकुम्भरी मंदिर से लोकसभा प्रचार अभियान की शुरुआत की, जिसके जवाब में सपा-बसपा-रालोद गठबंधन इसी जिले के देवबंद से प्रचार शुरू करेगा। उत्तर प्रदेश गठबंधन के तीन साझेदार सपा, बसपा और रालोद सात अप्रैल को देवबंद में अपनी पहली संयुक्त रैली आयोजित करेंगे और इस स्थल का चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवबंद में भारत का सबसे बड़े इस्लामी मदरसा है। आदित्यनाथ ने एक समारोह में कहा था कि विपक्षी गठबंधन द्वारा देवबंद का चुनाव उनकी नीतियों और प्राथमिकताओं का एक संकेत है। शकुम्भरी मंदिर देवबंद से करीब 40 किलोमीटर दूर है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने 2017 में सहारनपुर से पार्टी की परिवर्तन यात्रा शुरू की थी। भाजपा ने जहां अपने मौजूदा सांसद राघव लखनपाल को फिर से मैदान में उतारा है वहीं कांग्रेस और बसपा-सपा-रालोद ने अल्पसंख्यक समुदाय के मजबूत उम्मीदवारों को टिकट दिया है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार इमरान मसूद को फिर से टिकट दिया है, जिन्होंने 2014 में लखनपाल को कड़ी टक्कर दी थी लेकिन उन्हें करीब 65 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। बहुजन समाज पार्टी ने इस सीट से फजलूर रहमान को टिकट दिया है।

राहुल चाहे जहां भाग जाएं, जनता हिसाब मांगेगी: शाह

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने अमेठी के साथ-साथ केरल की वायनाड लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ने जा रहे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि हिन्दू समुदाय पर आतंकवाद का ठप्पा लगाने वाले राहुल चाहे जहां भाग जाएं, मगर जनता उनसे हिसाब जरूर मांगेगी। उन्होंने कहा कि केरल में तुष्टीकरण की राजनीति है, इसीलिये वह वहां गये हैं। आपने वोट बैंक की राजनीति के लिये देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया है। आप जहां भी जाएंगे देश की जनता आपसे हिसाब मांगेगी।

भाजपा अध्यक्ष शाह ने रविवार को बिजनौर से भाजपा प्रत्याशी कुंवर भारतेन्द्र सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि कांग्रेस ने समझौता एक्सप्रेस बम विस्फोट कांड में पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्करकृएकृतैयबा को क्लीनचिट दी और स्वामी असीमानंद समेत कई निर्दोषों को जेल भेजकर हिन्दू समुदाय पर आतंकवाद का ठप्पा लगाया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने के निर्णय का जिक्र करते हुए कहा श्श्मुझे पता चला है कि राहुल गांधी केरल की ओर भागे हैं, अमेठी की ओर नहीं। सबको मालूम है कि अमेठी में इस बार उनका हिसाबकृकिताब चुकता होने वाला है। उन्होंने दावा किया कि समझौता कांड के बाद उस वक्त के गृह मंत्री पी. चिदम्बरम ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने कहा था कि लश्कर देश के लिये खतरा नहीं है बल्कि हिन्दू आतंकवाद फैलाने वाले लोग खतरा है। मगर अदालत ने असीमानंद समेत सभी आरोपियों को क्लीनचिट दे दी। राहुल को इसके लिये देश की जनता से माफी मांगनी चाहिये। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आपने हिंदू समुदाय को बदनाम करके उसे आतंकवाद के साथ जोड़ा। हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता है।

वहीं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बागपत में अपनी रैली में मुजफ्फरनगर से महागठबंधन प्रत्याशी रालोद अध्यक्ष चैधरी अजित सिंह और बागपत से उम्मीदवार उनके पुत्र जयंत चैधरी पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि अगर काम ना करने वाले सांसदों का रिकॉर्ड बनाया जाये, तो अजित सिंह और जयंत चैधरी को पहला नंबर मिलेगा। उन्होंने प्रदेश में किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का जिक्र करते हुए दावा किया कि सरकार ने पिछले पांच साल में गन्ना किसानों का 58 हजार करोड़ रुपये का बकाया भुगतान कर दिया है। आगामी पांच अप्रैल तक इस साल के 75 प्रतिषत गन्ना मूल्य का भुगतान मोदी और योगी सरकार द्वारा कर दिया जायेगा। पाकिस्तान पर हुई एयर स्ट्राइक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी ने एयर स्ट्राइक कराई तो पूरे देश में उत्साह का माहौल था, लेकिन राहुल बाबा और बुआ (बसपा प्रमुख मायावती) और भतीजे (अखिलेश यादव) के चेहरे के हवाइयां उड़ रही थीं। ये लोग एयर स्ट्राइक के सुबूत मांग रहे हैं। अरे, पाकिस्तान के टीवी चैनल देख लो, वो छाती पीट-पीटकर कह रहे हैं कि भारत ने हमला किया है श्श

उन्होंने कहा कि देश के सभी लोग कहते हैं कि आतंकवादियों पर हमला करके मोदी ने बहुत अच्छा किया, लेकिन राहुल गांधी के गुरु सैम पित्रोदा कहते हैं कि हमला करके अच्छा नहीं किया। पाकिस्तान से बातचीत करनी चाहिए थी। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति है कि अगर वो गोली चलाएंगे तो हम गोले से जवाब देंगे, वो ईंट चलाएंगे तो हम उसका जवाब पत्थर से देंगे। शाह ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पांच साल के अंदर सात करोड़ गरीब महिलाओं को गैस सिलिंडर देने का काम किया। ढाई करोड़ लोगों को घर दिया। दो करोड़ 35 लाख परिवारों को बिजली दी। इसके अलावा 50 करोड़ गरीब लोगों के जीवन में कोई बीमारी होने पर पांच लाख तक का मुफ्त इलाज होगा।

दिल्ली: आप कांग्रेस के गठबंधन पर सस्पेंस जारी, शीला बोलीं-जल्द होगा फैसला, थोड़ा इंतजार करिए

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव के लिए जहां नेताओं की दलों में अदला-बदली का सिलसिला जारी है वहीं सबकी निगाहें इस ओर भी हैं कि क्या दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस एक साथ आएंगी। कांग्रेस और आप के गठबंधन को लोकर अभी तक सस्पेंस जारी है। कांग्रेस ने आप से गठबंधन को लेकर अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इसी बीच दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित ने रविवार को साफ किया कि आज शाम तक या फिर सोमवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी कि दिल्ली में आप और कांग्रेस साथ आएंगे या नहीं। शीला ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कुछ ही घंटों की बात है, थोड़ा इंतजार रखिए, फैसला जल्द आप लोगों के सामने होगा। वहीं खबरें हैं कि शीला दीक्षित गठबंधन पर मान गई हैं और ऐसे में आप और कांग्रेस साथ आ सकती है। इससे पहले वे गठबंधन के खिलाफ थीं। आप से गठबंधन को लेकर कांग्रेस दो धड़ों में बंट गई थी। एक तरफ शीला दीक्षित का खेमा था तो दूसरी तरफ अजय माकन का। वहीं आप दिल्ली में अपने उम्मदीवारों के नामों की लिस्ट जारी कर चुकी है। इससे पहले दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कई बार राहुल गांधी को दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में गठबंधन को लेकर ऑफर दे चुके हैं लेकिन कांग्रेस की तरफ से ही हर बार कोई न कोई रूकावट खड़ी हो जाती थी। पहले अजय माकन भी गठबंधन के खिलाफ थे लेकिन बाद में वे भी इसके समर्थन में उतर आए। अब फैसला राहुल गांधी के हाथ में हैं।

मैं भी चौकीदार के मेगा शो पर बोले मोदी- देश में बैठा हर व्यक्ति चौकीदार

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आलोचकों ने मेरी प्रसिद्धि ज्यादा कर दी है। मोदी मैं भी चौकीदार अभियान के तहत वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेशेवर, कारोबारियों व चौकीदारों से सीधे बातचीत कर रहे हैं। इस कार्यक्रम को समूचे देश में 500 स्थानों पर प्रसारित किया जा रहा है। देशभर में करीब 500 से अधिक स्थानों पर, देश के लिए कुछ कर गुजरने वाले, देश के सम्मान में ही अपना गर्व अनुभव करने वाले लाखों लोगों से तकनीक के माध्यम से मुझे मिलने का सौभाग्य मिला है। आलोचकों ने मुझे ज्यादा मशहूर किया 2014 के पहले मुझे कुछ ही लोग जानते ही जानते थे। 2014 में लोगों ने मुझे देश का चौकीदार बनाया, चौकीदार की जिम्मेदारी पूरी तरह निभा रहा हूं मैंने तब कहा था कि मेरी ये कोशिश रहेगी कि मैं जनता के पैसे पर पंजा नहीं पड़ने दूंगा। एक चौकीदार के रूप में मैं अपनी जिम्मेदारी निभाऊंगा 2014 में भाजपा ने मुझे दायित्व दिया उसके बाद मुझे देश के कौने कौने में जाने की नौबत आयी। तब मैंने देश के लोगों से कहा थी कि आप दिल्ली का दायित्व जो मुझे दे रहे हैं उसका मतलब है कि आप एक चौकीदार बैठा रहे हैं चौकीदार न कोई व्यवस्था है, न कोई यूनिफॉर्म की पहचान है न कोई चौखट में बंधा है। चौकीदार एक स्प्रिट है, एक भावना है। गांव में, शहर में रहने वाला हर शख्श चौकीदार, पढ़ा लिखा हो या अनपढ़ हो हर व्यक्ति चौकीदार। मुझे विश्वास है कि देश की जनता चौकादार पसंद करती है। देश की जनता को राजा-महाराजाओं की जरूरत नहीं है और इसलिए मुझे खुशी है कि चौकादार का भाव निरंतर विस्तार होता जा रहा है। कांग्रेस चौकीदार का मतलब समझ नहीं पा रही है। बालाकोट मैंने नहीं किया, देश के जवानों ने किया है, हमारे सुरक्षा बलों ने किया है। इसलिए हम सबकी तरफ से उन्हें, सैल्यूट। आज दुनिया में जो हिंदुस्तान की बात सुनी जाती है उसका कारण मोदी नहीं पूर्ण बहुमत की सरकार है। मुझ जैसे राष्ट्रीय राजनीति में अनजान व्यक्ति को देश की जनता ने 30 साल बाद पूर्ण बहुमत दिया। हमारे देश के राजनीतिक दलों को भी नहीं पता है कि पूर्ण बहुमत वाली सरकार अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण होती है। अगर मोदी अपने राजनीतिक भविष्य का सोचता, तो वो मोदी नहीं होता।

अमेठी के मतादाताओं की आवाज, राहुल का समर्थन करेंगे

अमेठी। लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से मैदान में उतरने के राहुल गांधी के फैसले से बेफिक्र अमेठी के मतदाताओं का कहना है कि वे अपने वीआईपी क्षेत्र से बेटे का समर्थन करेंगे। अमेठी में मतदान 6 मई को होना है। कांग्रेस ने रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष के दो लोकसभा सीटों अमेठी और वायनाड से चुनाव लड़ने के फैसले की घोषणा की। राहुल 2004 से लगातार अमेठी का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। इस बार भी उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्मृति ईरानी से कड़ी टक्कर मिल रही है। वर्ष 2014 में ईरानी के खिलाफ उनकी जीत का अंतर मात्र एक लाख से ज्यादा मत ही रहा था। स्मृति ईरानी मोदी लहर के बावजूद राहुल से हार गई थीं। राहुल के दो सीटों पर लड़ने के फैसले का क्या अमेठी के मतदाता समर्थन करेंगे? इस सवाल पर कांग्रेस जिला प्रमुख योगेंद्र मिश्रा ने कहा, राहुल के दो सीटों से लड़ने के फैसले के बावजूद उन्हें अमेठी में पांच लाख से कम वोट नहीं मिलेंगे। यहां हर कोई राहुल गांधी को अपने परिवार का हिस्सा समझता है। इसलिए मतदाता बाहरी स्मृति ईरानी के बजाय अमेठी के बेटे का समर्थन करेंगे। कांग्रेस के दावे को मजबूत समर्थन मिलता भी दिखाई दिया। गौरीगंज जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर दर्दा गांव के एक निवासी राम मिश्रा ने कहा, आप जो भी यहां काम देख रहे हैं, वह सबकुछ कांग्रेस की ही देन है। अमेठी से विधान परिषद के कांग्रेस सदस्य दीपक सिंह ने कहा, केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने की पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग को स्वीकारना राहुल गांधी द्वारा लिया गया फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा, अब चुनाव राहुल और भाजपा के बीच नहीं रह गया है। अब चुनाव अमेठी और वायनाड के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच है कि कौन उनके लिए ज्यादा वोट सुनिश्चित करेगा।

भाजपा सरकार बनी तो दूसरे नंबर पर हो सकते हैं शाह!

नई दिल्ली।

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के शनिवार को गांधीनगर सीट से नामांकन दाखिल करने के मौके पर केंद्रीय मंत्रियों तथा एनडीए के नेताओं के जमावड़े के जरिए गठबंधन की एकता का संदेश तो दिया ही गया, शायद यह जताने की कोशिश भी की गई कि भाजपा के घटक दलों में भी शाह सर्व स्वीकार्य हैं। इसे आने वाले दिनों में अमित शाह को बड़ी भूमिका दिए जाने के संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है। यदि चुनावी दृष्टि से देखा जाए तो गांधीनगर सीट भाजपा के लिए अनुकूल रही है। इसी लोकसभा सीट के एक विधानसभा क्षेत्र से अमित शाह लगातार जीत दर्ज करते रहे हैं। भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण अडवानी जब पहली बार गांधीनगर सीट से लोकसभा चुनाव लड़े थे, तब मैनेजमेंट का जिम्मा शाह के ही कंधों पर डाला गया था। कारण, इस सीट के मिजाज से शाह पूरी तरह परिचित हैं। उन्होंने बूथ अध्यक्ष से लेकर विधायक का सफर भी यहीं से तय किया है। अब जब शाह पार्टी अध्यक्ष हैं तब उनके नामांकन के वक्त भाजपा और सहयोगी दलों के दिग्गजों के इकट्ठा होने के कई अर्थ लगाए जा रहे हैं। शाह के नामांकन के दौरान बड़े नेताओं की भीड़ का मतलब केवल जीत के लिए माहौल बनाना नहीं हो सकता। सूत्रों के मुताबिक सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं तथा राजग नेताओं को बुलाकर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि देश में यही एक गठबंधन है जो राजनीतिक रूप से मजबूत है। इसके अलावा इसे शाह को भविष्य के लिए प्रोजेक्ट करने से जोड़कर भी देखा जा रहा है। समझा जा रहा है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की ओर से 2024 का विकल्प परोसने की कोशिश हो रही है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा है कि यदि चुनाव के बाद केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तो शाह का ओहदा दूसरे नंबर का हो सकता है और उन्हें गृहमंत्री बनाया जा सकता है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा की उत्तराधिकार योजना के तौर पर भी देखते हैं। यदि वर्ष 2024 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद से अलग होते हैं, जिसका संकेत उन्होंने 2014 में ही दे दिया था, तो उस समय शाह प्रधानमंत्री पद के दावेदार हो सकते हैं। राजनीति के कुछ जानकारों का नजरिया यह है कि लोकसभा चुनाव लड़कर शाह यह जताना चाहते हैं कि वह केवल चुनावी रणनीतिकार या पार्टी की जीत के वास्तुकार नहीं हैं,अपितु वह एक जनप्रिय नेता भी हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं में शाह का प्रभाव कोई छिपी बात नहीं है, आम जनता भी उनकी रैलियों में तालियां बजाती दिखती है। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि इस बार चुनावों में जहां मोदी की 150 से 200 रैलियां करने की योजना है, वहीं शाह के लिए संख्या 250 तक हो सकती है। प्रधानमंत्री के रूप में व्यस्तता के कारण मोदी की रैलियों की संख्या थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन भाजपा प्रत्याशियों के लिए वह पहली पसंद हैं और यहां भी दूसरे नंबर पर अमित शाह ही हैं।

नई दिल्ली में रविवार को पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में गणेश चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मैं भी चौकीदार अभियान के तहत गृहमंत्री राजनाथ सिंह, सांसद महेश गिरी एवं अन्य नेता।

संपादकीय

चुनाव के लिए उम्मीदवारों की कमी

यूं तो पार्टियां जब पद बांटती हैं तो चाहवानों की लंबी कतार लग जाती है। मंत्री बनने की जद्दोजहद के बाद हाईकमान के चहेते नेता बोर्डों/ निगमों/ मार्किट कमेटी की समितियों के अध्यक्ष पद के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देते हैं। पार्टियां भी चहेते नेताओं की नाराजगी से बचने के लिए नया रास्ता निकालती हैं और चार सालों तक पद खाली रखे जाते हैं। अंतिम वर्ष पद देकर नाराजगी को दूर किया जाता है। पंजाब-हरियाणा और दिल्ली में मुख्य संसदीय सचिवों के गैर-संवैधानिक पद के द्वारा भी सत्ताधारी पार्टियों ने अपने चहेतों को खुश करने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के कारण अमरिन्दर सरकार ने अपने प्रत्येक विधायक को एडजस्ट करने के लिए मुख्य संसदीय सचिव के पद का रास्ता निकाला। हैरत की बात है कि नेताओं की भरमार के बावजूद लोक सभा चुनाव के लिए लगभग हर पार्टी के पास योग्य उम्मीदवारों की कमी है। दरअसल राजनेताओं की जनता में घट रही लोकप्रियता कहें कि चुनाव के समय पार्टियों को उम्मीदवारों की कमी पड़ रही है। पार्टी पूरा जोर इस बात पर लगाती है कि उम्मीदवार जीतने में समर्थ हो। कई-कई बैठकों की माथापच्ची के बाद भी उम्मीदवार तय नहीं होता लेकिन नेताओं की भरमार के बावजूद मजबूत उम्मीदवार नहीं मिलता। अधिकतर लोक सभा सीटों पर उम्मीदवार की काबलियत का पेच फंसा हुआ है। निःसंदेह इस बात से इंकार करना कठिन है कि मेहनती, ईमानदार, लोगों की सेवा भावना वाले नेताओं की कमी है। यदि पंजाब के लोक सभा हलका बठिंडा की बात करें तब अकाली दल दो बार एमपी व मौजूदा केंद्रीय मंत्री हरसिमरत का नाम घोषित करने से झिझक रहा है। इसी तरह लुधियाना सीट से भी अकाली दल असमंजस्य में है और पार्टी प्रधान द्वारा उम्मीदवारों की कमी के कारण खुद चुनाव लड़ने की भी चर्चा है। इसी तरह पंजाब कांग्रेस भी बठिंडा से असमंजस्य में है, अमृतसर से मौजूदा सांसद कांग्रेस का होने के बावजूद डॉ. मनमोहन सिंह के नाम की चर्चा है। भाजपा होशियारपुर केंद्रीय मंत्री विजय सांपला को टिकट देने के लिए तैयार नहीं दिख रही। कई अन्य राज्यों में दल बदलू नेताओं को टिकटें दी गई हैं। यदि लोकप्रिय नेता ज्यादा हों, तब चुनाव पांच साल पहले ही टिकट तय हो जाती है। अमृतसर से लगातार तीन बार जीतने वाली भाजपा को कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं मिल रहा। इसी तरह हरियाणा में भाजपा को सिरसा, हिसार, कुरुक्षेत्र, रोहतक से उम्मीदवारों की कमी खल रही है। हरियाणा में कांग्रेस की भी हिसार, फरीदाबाद, गुरुग्राम से किसी मजबूत उम्मीदवार की तलाश है।

कई अन्य राज्यों में दल बदलू नेताओं को टिकटें दी गई हैं। यदि लोकप्रिय नेता ज्यादा हों, तब चुनाव पांच साल पहले ही टिकट तय हो जाती है। अमृतसर से लगातार तीन बार जीतने वाली भाजपा को कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं मिल रहा। इसी तरह हरियाणा में भाजपा को सिरसा, हिसार, कुरुक्षेत्र, रोहतक से उम्मीदवारों की कमी खल रही है।

लेख जनहित के मुद्दे से बहस चुनाव में गायब क्यों ?

महेश तिवारी

चुनावी तारीखों का एलान हो चुका है। ऐसे में 2019 के चुनावी महाभारत में अपने-अपने तरीके से राजनीतिक दल तरकश से तीर रूपी वादे और दावे करना शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस अगर रोटी और राम के सहारे पुनर्जन्म की बाट जोह रहीं, तो समूचा सत्तापक्ष चौकीदार बन 272 के जादुई आंकड़े छूने को उतावला दिख रहा। ऐसे में बात जब चुनावी मौसम में जन और उससे जुड़े मुद्दे की होगी। फिर नजर तो यहीं तात्कालिक दृश्य से आएगा, कि जन और उसके मुद्दें चुनावी नारों के फेर में कहीं न कहीं धूमिल से हो रहें।

ऐसे में जब देश की अवाम एक बार पुनः लोकतंत्र के पावन पर्व पर अपने मताधिकार का उपयोग करने आगामी दिनों में जा रहीं। तो उसे पच्चन वर्ष बनाम पांच वर्ष नहीं, तो कम से कम मोदी सरकार के पांच वर्ष बनाम यूपीए-1 और यूपीए- दो के कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना चाहिए। जिससे बेहतर और श्रेष्ठ रहनुमाई तंत्र का चुनाव हो सके। जो मजबूत सरकार ही न हो, बल्कि बेहतर शासन और कुशल नीति निर्माण का खाका भी खींच सकें। जिससे देश और समाज सशक्त बन सकें। यहां बात जब अवाम द्वारा बेहतर सरकार के चुनाव की हुई। तो कुछ तर्क होंगे। हमाम में सब नंगे है। फिर बेहतर का चुनाव कैसे होगा। ऐसे में कुछ जिम्मेदारी आम मतदाता की भी बनती है। आखिर मतदाता जनप्रतिनिधि चयन के समय जाति, धर्म और अपना-पराया क्यों देखता है। एक तरफ उसे बेहतर राजनीतिक तंत्र चाहिए दूसरी तरफ उसे जाति, धर्म के उम्मीदवार को मत भी देना है। तो ऐसे में दोहरा चरित्र तो आम जनमानस में भी है। ऐसे में अगर उसे लोकतंत्र के मंदिर में सर्वोत्तम चाहिए, तो बदलाव तो उसे भी अपनी सोच में करना होगा। आज क्या कारण है, कोई दलित मत का मसीहा बन बैठा तो कोई यादव, मुस्लिम और ब्राह्मण का। शायद इसलिए क्योंकि अवाम खुद जाति, धर्म, उम्मीदवार का देखकर मत देती है। तो पहले बदलाव अवाम को अपनी सोच में करना होगा। फिर बेहतर उम्मीदवार तो अपने-आप राजनीतिक दल चुनावी महाकुंभ में खड़ा करने लगेंगे। तो इस 2019 के चुनावी कुंभ में लगभग सभी दलों के उम्मीदवारों का एलान हो चुका या आने वाले दिनों में हो जाएगा। ऐसे में इस बार अवाम के पास मौका इन्हीं में से श्रेष्ठ चुनने का है। फिर अब अवाम को सवाल अपने जनप्रतिनिधियों से पूछना होगा कि आखिर वो मत उन्हें क्यों दें और वो उनके लिए सर्वश्रेष्ठ जनप्रतिनिधि क्यों आउट कैसे साबित होंगे। दरअसल एक बात पर गौर करें, तो बड़ा दुर्भाग्य है विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का। जिसके संविधान में बोलने आदि की आजादी भी दी गई है, लेकिन देश की अवाम सिर्फ मत किसी तरह देकर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेती है। उसे इस आबोहवा से बाहर निकलना होगा। अगर खुद का, अपने समाज का और देश का विकास होते देखना चाहते तो। वरना इन सियासतदानों का क्या है, ये ऐसे ही देश को नारों के फेर में उलझाकर अपनी कुर्सी हथियाते रहेंगे। यहां समझने की बात यह भी है, कि चुनाव की तारीख के साथ सभी दल जनता के बीच पहुँच रहें। लेकिन दुर्भाग्य है वह जनता का दरवाजा सटीक और यर्थाथ के मुद्दों पर न खटखटाते हुए भावनात्मक रूप से उन्हें बरगला रहें। यहां जब हम इक्कीसवीं सदी में जी रहें, विश्व परिदृश्य पर हम कई मायनों में पिछड़े हुए तो बात जनमानस के चहुँमुखी विकास की होनी चाहिए।

लेकिन दुर्भाग्य देखिए उस लोकतंत्र का। जिसमें जिक्र पहले लोक का आता है। उसी में कोई रोटी और राम के नाम पर अपनी दुकान को चमकाने की फिराक में है। तो कोई चौकीदार के बल सत्ता में पुनः वापसी चाहता है। ऐसे में जब आगामी दिनों में करीब 90 करोड़ भारतीय अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। तो उस समय हमारे सामने यह बात अपनी तस्दीक देगी कि हम सिर्फ आबादी और आकार के लिहाज से एक बड़े मुल्क के रूप में तो हैं, लेकिन उसी मुल्क में बहुतायत समस्याएं भी हैं। जिन पर निगहबानी सियासतदां भी आज के दौर में करना नहीं चाहते। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के सर्वे के मुताबिक, रोजगार के अच्छे अवसर, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, पेयजल, अच्छी सड़कें और सार्वजनिक यातायात के साधन लोगों के लिए प्रमुख मुद्दे हैं। खेती-किसानी से जुड़े मसले भी मतदाताओं के लिए अहम प्राथमिकता रखते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में बताया गया है कि लोग बेरोजगारी की समस्या का ठोस समाधान चाहते हैं और कारोबार को बढ़ाने की जरूरत महसूस करते हैं। लेकिन सियासतदां कर क्या रहें, इससे वाकिफ हम और आप सभी हैं। ऐसे में अब सियासतदां के कार्य क्या होते यह बताने के लिए अवाम को जाति, धर्म आदि का पीछा छुड़ाते हुए खुद आगे आना होगा। तभी देश, समाज और अवाम का कुछ भला हो सकता। वैसे इस बार का लोकतांत्रिक पर्व कई अन्य मायनों में भी रोचक रहने वाला है। इस बार के आम चुनाव में पहली बार ऐसे मतदाता भी अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। जिनका जन्म इक्कीसवीं सदी में हुआ है। वहीं इक्कीसवीं सदी जिस सदी में तकनीक अपने उच्चतम विकसित अवस्था में हिंडोले मार रही। ये मतदाता उस वर्ग से तालुकात रखते हैं, जिन्हें आगामी समय के लिए देश का कर्णधार माना जाता है।

जो स्वतंत्र सोच रखते हैं, विचारों और सूचनाओं बेहतर तरीके से जानने और समझने के अलावा विश्लेषित करते हैं। यहां जब ऐसे मतदाताओं के आंकड़े पर निगहबानी करेंगे तो चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2019 के आम चुनाव में ऐसे नौ फीसदी मतदाता पहली बार शामिल होंगे। जो मतदान करेंगे। ऐसे में सियासतदानों को अब व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और आक्षेप की राजनीति से इतर होकर मुद्दों की राजनीति पर बल देना होगा, और अवाम को बढ़-चढ़ कर मतदान करना होगा। अगर ये दल सतासीन होना चाहते तो? इसके अलावा बेहतर लोकतंत्र की परिकल्पना को सिद्ध करना चाहते तो।

ट्वीट

विषय

ईमानदार और कर्मठ अधिकारियों पर हमला चिंता का विषय है। पंजाब की नेहा सूरी की हत्या इसी क्रम में है। उन्होंने एक लाइसेंस निरस्त किया था। इसकी अविलंब जांच कर अपराधी को सजा दी जाए। पंजाब सरकार जगेगी?

राकेश सिन्हा, संसद सदस्य

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और सम्पन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व सम्पन्न रह सकता है और समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाए। एक व्यक्ति बेईमानी करता है और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेईमानी करने लगे तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की एक कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अन्तरात्मा की साक्षी ले ली जाए। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धड़कने लगता है। पसीना छूटता है और ऐसा प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मैं दुनिया की सबसे खुशनसीब महिला हूं

मलाथी कृष्णमूर्ति होल्ला, पैरा ओलंपिक खिलाड़ी

मलाथी 14 महीने की थीं, जब उन्हें तेज बुखार हुआ और गरदन के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। बेटी की हालत देखकर मम्मी-पापा के तो होश ही उड़ गए। तमाम डॉक्टरों को दिखाया, पर कुछ फायदा नहीं हुआ। पापा बेंगलुरु में एक छोटा सा होटल चलाते थे। मां घर संभालती थीं। मलाथी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। डॉक्टरों ने इलेक्ट्रिक शॉक थिरेपी के जरिए इलाज की सलाह दी। करीब दो साल तक यह इलाज चला। इससे शरीर का ऊपरी हिस्सा तो काम करने लगा, लेकिन कमर के नीचे का हिस्सा अब भी निष्क्रिय था। मलाथी कहती हैं, इलाज के लिए हमारे पास संसाधन नहीं थे। थिरेपी सेंटर घर से काफी दूर था। मम्मी मुझे गोद में लेकर कई बस बदलकर वहां ले जाती थीं। मेरे लिए उन्होंने कड़ी तपस्या की। शारीरिक दिक्कतों की वजह से मलाथी का बचपन खुशनुमा नहीं रहा। जब पड़ोस के बच्चे मैदान में खेल-कूद करते थे, वह मायूस होकर उन्हें देखा करती थी। मलाथी कहती हैं, अजीब लगता था। पड़ोस के बच्चे हमारे आंगन में गिरे आम बटोरने के लिए दौड़ते थे, पर मैं ललचाई आंखों से उन्हें देखती थी। मन कचोटता था मेरा। सोचती थी, काश मैं भी इनकी तरह दौड़ पाती!

उन्हें लेकर पापा की चिंता बढ़ती जा रही थी। बड़ा बुरा लगता था, जब कोई उनकी बेटी को बेचारी कहता था। उन्होंने तय कर लिया कि वह बेटी को दया का पात्र नहीं बनने देंगे। उसे आत्मनिर्भर बनाएंगे, ताकि वह सम्मान से जी सके। तभी किसी ने उन्हें बताया कि चेन्नई के एक ऑर्थोपेडिक सेंटर में दिव्यांग बच्चों को फ्री में शिक्षा दी जाती है और उनका इलाज भी किया जाता है। उन्होंने मलाथी को वहां भर्ती करा दिया। बेटी को खुद से अलग करते हुए परिवार को बहुत बुरा लगा, पर और कोई रास्ता भी नहीं था उनके पास। हॉस्टल में छोड़ते समय पापा ने उन्हें समझाया कि यहां रहकर तुम्हारी जिंदगी बदल सकती है। मलाथी बताती हैं, मैं चेन्नई के सेंटर में करीब 15 साल रही। वह एक अलग दुनिया थी। सर्जरी और दर्द मेरे जीवन का अहम हिस्सा थे। मैं रोजाना व्यायाम करती थी। यही वह दौर था, जब मैंने खेल के बारे में सोचा। खेल का अभ्यास करना मेरे लिए दवा की तरह था। चेन्नई के सेंटर में उनके पैर की हड्डी की कई बार सर्जरी हुई, पर सफलता नहीं मिली। अब यह तय हो चुका था कि मलाथी कभी अपने पांव पर खड़ी नहीं हो पाएंगी। पर पापा ने बेटी को हताश नहीं होने दिया। 12वीं के बाद कॉलेज की पढ़ाई के लिए वह उन्हें बेंगलुरु ले आए। यहां उनका एक प्रतिष्ठित कॉलेज में दाखिला हो गया। मलाथी कहती हैं, जब मैं बेंगलुरु के कॉलेज में पहुंची, तो मेरे सामने एक नई मुश्किल आ गई। वहां मेरी सारी क्लास ऊपर की मंजिल पर लगती थीं। मेरे लिए सीढ़ियां चढ़ना बहुत कठिन था। मैंने सोचा, यहां मैं नहीं पढ़ पाऊंगी। पर अगले दिन मैंने प्रिंसिपल से बात की और फिर मेरी क्लास ग्राउंड फलोर पर लगने लगीं। यहां उन्हें पैरा ओलंपिक के बारे में पता चला। उन्होंने शॉटपुट और व्हील चेयर रेस की ट्रेनिंग शुरू की। समय के साथ खेल में निखार आता गया। पहले स्थानीय स्तर और बाद में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का मौका मिला। कड़ी मेहनत और बुलंद हौसलों के साथ कामयाबी का सफर बढ़ चला। सियोल में उन्हें भारत की तरफ से पैरा ओलंपिक में खेलने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। खेल में भाग लेने के लिए उन्हें रेसिंग व्हील चेयर की जरूरत थी। शुरुआत में उनके पास व्हील चेयर खरीदने के लिए पैसे नहीं थे, लिहाजा किराये पर

इसकी व्यवस्था करनी पड़ी। मलाथी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अब तक 389 गोल्ड, 27 सिल्वर और पांच कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वह कहती हैं, मैंने ये अवार्ड व्हील चेयर पर बैठकर हासिल किए। इसलिए मेरे लिए ये व्हील चेयर नहीं, बल्कि एक शानदार रथ हैं। वर्ष 1981 में उन्हें सिंडीकेट बैंक में मैनेजर पद की नौकरी मिली। इसके बाद आर्थिक हालात सुधरने लगे। आज वह प्रेरक वक्ता हैं और सामाजिक कार्यकर्ता भी। आजकल वह अपने भाषणों से लोगों को जिंदगी की मुश्किलों से लड़ने का हौसला दे रही हैं। मलाथी कहती हैं, सबसे बड़ी दिव्यांगता है, आपके अंदर की हीनभावना। जब आप अपने आपको दूसरों से कमतर आंकते हैं, तो आप मन से दिव्यांग हो जाते हैं। मेरे मन में कभी यह भाव नहीं आया कि मैं दूसरों से कम हूं। वर्ष 1995 में उन्हें अर्जुन अवॉर्ड मिला। इसी साल उन्हें वुमेन ऑफ द ईयर खिताब से नवाजा गया। साल 2001 में उन्हें पद्मश्री मिला। दिव्यांगों को बेहतर जिंदगी दिलाने के मकसद से उन्होंने बेंगलुरु में माथरू फाउंडेशन शुरू किया। इसका मकसद गरीब दिव्यांग बच्चों को पढ़ने और अपने हुनर को निखारने का मौका देना है, ताकि वे समाज में सम्मान के साथ जी सकें। मलाथी कहती हैं, हम समाज से बहुत सारी शिकायत करते हैं। क्या हमने कभी सोचा कि हम समाज को क्या दे सकते हैं? अपने साथ उन लोगों के बारे में भी आप सोचिए, जिन्हें आपकी जरूरत है। तभी यह दुनिया खूबसूरत बन पाएगी।

प्रस्तुतिः मीना त्रिवेदी

थैरेसा मे ब्रेक्जिट पर लेंगी 'चौथा चांस'

लंदन।

ब्रेक्जिट को लेकर शुक्रवार को तीसरी बार संसद में मुंह की खाने के बाद थैरेसा मे सरकार एक बार फिर अपना प्रस्ताव लेकर सांसदों के समक्ष जा सकती है। थैरेसा की कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष ब्रैंडन लेविस ने कहा है कि ब्रेग्जिट (यूरोपीय यूनियन से अलगाव) को लेकर सभी विकल्प खुले हुए हैं। इस बीच मीडिया में चर्चा है कि थैरेसा जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकती हैं और अंतरिम प्रधानमंत्री को सरकार का चौथा ब्रेग्जिट मसौदा पेश करने का मौका दिया जा सकता है। इससे ब्रेक्जिट को लेकर निर्धारित प्रक्रिया थोड़ा और टल सकती है। फिलहाल यह तिथि 22 मई निर्धारित की गई है। ब्रिटेन में ब्रेग्जिट को लेकर सरगर्मियां चरम पर हैं। यूरोपीय यूनियन (ई.यू.) से अलगाव को लेकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। ब्रेक्जिट के समर्थकों और विरोधियों के बीच अजीब द्वंद्व चल रहा है। दोनों ही पक्ष सड़क पर उतरकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर चुके हैं। इतना ही नहीं ब्रिटेन में भारतीय मूल की 2 सांसदों प्रीति पटेल और स्वेला ब्रेवर्मन ने भी थैरेसा सरकार के ब्रेग्जिट प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। दोनों थैरेसा की कंजर्वेटिव पार्टी की ही सांसद हैं। दोनों कड़ी शर्तों के साथ ब्रेग्जिट चाहती हैं। सांसद प्रीति गुजरात व स्वेला ब्रेवर्मन गोवा मूल की निवासी हैं ई.यू. ने ब्रिटेन से ब्रेग्जिट प्रस्ताव मिलने की तारीख 12 अप्रैल तय कर रखी है।

इसके बाद वह प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। इस लिहाज से ब्रिटेन सरकार को चंद रोज में संसद में चौथी बार मसौदा प्रस्ताव पेश करने की तारीख का ऐलान करना पड़ सकता है।

प्रवासियों पर ट्रंप का कड़ा कदम, तीन लातिन अमेरिकी देशों की 50 करोड़ डॉलर मदद होगी बंद

मैक्सिको सिटी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सीमा पर प्रवासियों को रोकने के लिए तीन लातिन अमेरिकी देशों की 50 करोड़ डॉलर की मदद बंद करने का निर्णय लिया है। ट्रंप का यह कदम प्रवासियों को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कठोर कदमों में से एक है। अमेरिकी सीमा पर प्रवासियों की वृद्धि को लेकर अमेरिका का मैक्सिको और मध्य अमेरिका के साथ तनाव पहले से ही बना हुआ है। ट्रंप पहले ही यह चेतावनी दे चुके हैं कि अगर मैक्सिको उत्तर की ओर प्रवासियों के प्रवाह को रोकने के लिए कदम नहीं उठाता है तो वह आगामी सप्ताह में अमेरिकी-मैक्सिको सीमा या कम से कम इसके बड़े हिस्से को बंद कर सकते हैं। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, विदेश विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लातिन अमेरिका के तीन देश-एल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला और होंडुरास को सहायता कार्यक्रमों को समाप्त किया जा रहा है। ट्रंप ने फ्लोरिडा की यात्रा के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''मैंने ग्वाटेमाला, होंडुरास और एल साल्वाडोर को दी जाने वाली समाप्त राशि को समाप्त करने का आदेश दे दिया है। हम उन्हें 50 करोड़ डॉलर दे रहे थे। यह भारी रकम थी। हम उन्हें और सहायता राशि नहीं देंगे क्योंकि उन्होंने हमारे लिए कुछ नहीं किया है।''

मेलबर्न की झील का रंग हुआ गुलाबी, देखने के लिए उमड़े पर्यटक

मेलबर्न ।

विशाल नदी , समुद्र, झील और झरना हमेशा लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। पानी के अलग-अलग रूपों को देखकर कई बार हैरानी होती है। कहीं पानी खारा होता है, कहीं नीला तो कही हरा। कुदरत के इस खास नजारों को पर्यटक देखने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के वेस्टगेट पार्क में मौजूद हिलर लेक को देखने के लिए इन दिनों लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है। इस झील का पानी गुलाबी होने के कारण ये दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। दूर-दूर से लोग इस झील को देखने और बोटिंग करने आते हैं। इस झील का क्षेत्रफल मात्र 600 वर्ग मीटर है, इसलिए ये दुनिया की सबसे छोटी और खूबसूरत झील में शामिल है। झील के चारों तरफ लगे पेपरबार्क और यूकेलिप्टस के पेड़ इसकी खूबसूरती को चार चांद लगाते हैं। इस झील के पानी में काफी मात्रा में नमक, एल्गी और बैक्टीरिया है। इसमें नमक की मात्रा जब काफी बढ़ जाती है तो इसका पानी पिंक हो जाता है। इसके रंग बदलने की तीन और मुख्य वजहें मानी जाती हैं और वो हैं यहां का उच्च तापमान, सूर्य की तेज रोशनी और झील में जमा होने वाला बारिश का पानी।

अजब-गजबः 121 सालों से बंदी बरगद का पेड़

खैबर पखतूनख्वा।

अंग्रेजों का शासन भले ही खत्म हो गया हो लेकिन आज भी हिंदोस्तान और पाकिस्तान में कई ऐसे नियम-कानून हैं जो अंग्रेजों के राज से आज तक चले आ रहे हैं।पाकिस्तान के खैबर पखतूनख्वा प्रांत स्थित लंडी कोतल में एक बरगद का पेड़ पिछले 121 सालों से कैद में है। जंजीरों में जकड़े इस पेड़ पर लिखा है- 'आई.एम. अंडर अरैस्ट'। इस पेड़ की गिरफ्तारी की कहानी बेहद दिलचस्प है। वर्ष 1898 में अंग्रेजी सेना में जेम्स स्किड नाम के अफसर थे। एक दिन जेम्स नशे की हालत में चहल रहे थे। इस दौरान उन्हें अचानक महसूस हुआ कि एक बरगद का पेड़ उनकी तरफ बढ़ रहा है जिससे जेम्स डर गए और अपने साथ चल रहे जवानों को आदेश देते हुए कहा कि पेड़ को तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाए। उसी समय से यह पेड़ जंजीरों में कैद है। इतना ही नहीं पेड़ पर एक तख्ती भी लटकी हुई है जिस पर पेड़ हवाले से लिखा है-मैं गिरफ्तार हूं। आज तक पेड़ की जंजीरें इसलिए नहीं हटाई गईं ताकि अंग्रेजी शासन की क्रूरता को दर्शाया जा सके। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह बंदी पेड़ डेकोनियन फ्रंटियर क्राइम रैगुलेशन (एफ.सी.आर.) कानून का उदाहरण है। यह कानून ब्रिटिश कानून के दौरान पश्तून विरोध का मुकाबला करने के लिए किया गया था। इसके तहत उस समय ब्रिटिश सरकार को यह अधिकार था कि वह पश्तून जनजाति में किसी व्यक्ति या परिवार के द्वारा अपराध करने पर उसे सीधा दंडित कर सकती है। आश्चर्य वाली बात यह है कि यह कानून आज भी उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के संघीय रूप से प्रशासित जनजातीय क्षेत्र में लागू है।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल-डीजल से नहीं यहां कैक्टस जूस से चल रही कारें, ऐसे हो रहा उपयोग

मैक्सिकको। आपने पैट्रोल, डीजल और सी.एन.जी. से चलने वाली गाड़ियों के बारे में तो सुना होगा लेकिन क्या यह सुना है कि कोई कार कैक्टस जूस से पावर ले रही हो? भले ही यह सुनने में अटपटा लगे लेकिन ऐसा हो रहा है। मैक्सिको की एक कम्पनी कारों को डीजल, पैट्रोल या सी.एन.जी. से नहीं बल्कि कैक्टस जूस से चला रही है। यह कम्पनी है नोपलीमैक्स। नोपलीमैक्स ने 2014 में कारों को चलाने में कैक्टस जूस का इस्तेमाल शुरू किया था। यह नोपल से बायोफ्यूल बनाती है। नोपाल को आमतौर पर प्रिकली पियर कैक्टस भी कहा जाता है। इसके पौधे को ग्रीन गोल्ड आफ मैक्सिको कहते हैं। कैक्टस से फ्यूल बनाने के लिए सबसे पहले नोपल कैक्टस को साफ किया जाता है। उसके बाद खाद के साथ मिक्स किया जाता है और डिकंपोज होने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रक्रिया में मीथेन पैदा होती है जिसे व्हीकल्स में फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। कार के अलावा नोपलीमैक्स इस फ्यूल की टैस्टटिंग लोकल बस और सरकारी व्हीकल्स पर भी कर रही है। कम्पनी का कहना है कि नोपल से फ्यूल बनाने की प्रक्रिया में जो बायोगैस प्रोड्यूस होती है उसकी लागत केवल 0.65 डॉलर प्रति लीटर पड़ेगी। यह रैगुलर फ्यूल की कॉस्ट से लगभग एक तिहाई सस्ता है।

75 वर्षीय महिला ने 310 प्लास्टिक बैगों से बनाईं जैकेट और स्कर्ट

न्यूयॉर्क। अब आप प्लास्टिक से बने कपड़े पहनने का शौक भी पूरा कर सकेंगे। एक 75 साल की महिला ने 310 प्लास्टिक बैगों से खूबसूरत जैकेट और स्कर्ट बनाई हैं। प्लास्टिक और पॉलीथीन बैग्स की बनी यह ड्रैस अब लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है। न्यूयॉर्क के ग्रीस में रहने वाली 75 साल की रोजा फेरिंगो ने पॉलीथीन रिसाइकिल करने का नया तरीका ढूंढ निकाला है। दरअसल, रोजा ने 310 प्लास्टिक बैगों से जैकेट और स्कर्ट बनाईं। इन्हें बनाने में रोजा को 2 महीने का समय लगा। यह ड्रैस दूर से देखने पर तो कपड़े की लगती है पर छूते ही इसके प्लास्टिक से बने होने का पता चलता है। रोजा की बेटी फ्रान बर्टल्ली ने बताया कि पिछले साल मां ने एक पार्टी में प्लास्टिक बैग देखा था। उसके बाद उन्होंने लाल रंग का बैग तैयार किया। फिर उन्हें लगा कि बैग के साथ मैचिंग ड्रैस भी होनी चाहिए और मां ने ड्रैस बनानी शुरू कर दी। बर्टल्ली ने बताया कि ड्रैस सिलने के लिए मां ने एक स्टोर से लकड़ियां खरीदीं और उन्हें घिसकर सूइयों का आकार दिया। फिर प्लास्टिक बैग इकट्ठा किए। इसके बाद 170 प्लास्टिक बैगों से जैकेट और स्कर्ट बना डालीं।

गाजा में तीन फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत, 316 घायल

गाजा। पूर्वी गाजा पट्टी में शनिवार को इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में कम से कम तीन फिलीस्तीनी नागरिक मारे गए तथा 316 लोग घायल हुए हैं। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल केद्रा ने बताया कि इजरायल की सीमा के पास स्थित खान यूनिस शहर में इजरायली सैनिकों द्वारा की गई गोलीबारी में तीन लोग मारे गए तथा 316 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, ''तीन लोग मारे गए तथा 316 लोग घायल हुए हैं, जिसमें 64 लोगों को गोली लगी है, 16 लोग रबर की गोलियों के घायल हुए हैं तथा अन्य लोग आंसू गैस के गोले से घायल हुए हैं।''

एनर्जी ड्रिंक पीने की आदत पड़ी महंगी, हो गया ऐसा बुरा हाल

सिडनी। एनर्जी ड्रिंक का हद से ज्यादा इस्तेमाल सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। इसकी ताजा मिसाल है एक ऑस्ट्रेलियाई शख्स जिस की फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। ऑस्ट्रेलियाई शख्स ने दावा किया है कि वह हर दिन एनर्जी ड्रिंक के लगभग 6 कैन पीता है और पिछले एक साल से ऐसा करता आ रहा है, जिसकी वजह से उसकी जीभ गंभीर रूप से छिल गई है। डैन रॉयल नाम के शख्स ने अपनी जीभ की एक फोटो फेसबुक पर शेयर करते हुए लोगों को एनर्जी ड्रिंक के नुकसान के बारे में आगाह किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डैन रोजाना 5 से 6 एनर्जी ड्रिंक के कैन पी जाते थे। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें इस बारे में आगाह किया कि इससे उनकी जीभ को नुकसान पहुंच रहा है। डैन की जीभ बुरी तरह क्षतिग्रस्त चुकी है। एनर्जी ड्रिंक में एमीनो एसिड, विटामिन बी, हर्बल सब्सटेंस और एक कैन में 58 ग्राम तक शक्कर होती है। डैन ने अपनी छिली हुई जीभ की फोटो शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा है कि एनर्जी ड्रिंक कौन पीता है? उन्हें पीने की लत है? आपको इस बारे में फिर से सोचना चाहिए। इस तस्वीर को ध्यान से देखिए... यह आपकी जीभ को ऐसा बना देता है।

'नर्क' से कम नहीं है थाइलैंड का यह मंदिर, डराती हैं यहां की मूर्तियां

थाईलैंड। लोग मन की शांति और अपने पापों के पश्चाताप के लिए मंदिर जाते हैं। थाईलैंड में एक ऐसा मंदिर है जो किसी 'नर्क' से कम नहीं लगता। मेलऑनलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक चियांग माई में नर्क मंदिर नाम से मशहूर 'वैट मे कोट नोई' मंदिर में ऐसी कई भयानक मूर्तियां हैं। इसके अलावा कई ऐसी संरचनाएं हैं जो अत्याचार और पीड़ा का प्रदर्शन करती हैं। ये सभी संरचनाएं एक भिक्षु ने स्थापित की हैं जो श्रद्धालुओं को यह दिखाना चाहते थे कि पाप करने का परिणाम क्या होता है? यह मंदिर जन्मनिदन, शादी और अंतिम संस्कार के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बन गया है। इस मंदिर की स्थापना बौद्ध भिक्षु प्रा ऋू विशानजालिकॉन ने की थी जिनके मन में मंदिर के लिए एक विचार था। उन्होंने बताया कि मैं लोगों को डराना चाहता था, मैं उन्हें नर्क और पाप से डराना चाहता था, उन्हें शर्म महसूस करवाना चाहता था।

पाकिस्तान शादी समारोह में सिर न ढकने पर पति ने दी दिल दहलाने वाली सजा

पेशावर।

पाकिस्तान के पेशावर में एक शख्स ने कथित तौर पर अपनी पत्नी के बाल केवल इसलिए काट दिए क्योंकि एक शादी समारोह के दौरान उसने अपना सिर नहीं ढका था। इतना ही नहीं पीड़ित महिला के पति ने उसे शारीरिक यातना भी दी। घटना पेशावर के माथरा इलाके की है। महिला ने इस घटना की शिकायत 21 मार्च को की थी। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन के मुताबिक महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह बीते महीने अपने पति के कजिन की शादी में गई थी। रिश्तेदारों से मिलते वक्त उसके सिर से दुपट्टा खिसक गया, यही उसके पति ने देख लिया। पीड़ित महिला का पति मलकंद अर्धसैनिक बल का सदस्य है।पीड़ित महिला ने कहा कि जब वह घर आई तो उसके पति ने पहले उसे सिर नहीं ढकने को लेकर टोका। फिर उसे लात घूंसो से मारना शुरू कर दिया। महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुए कहा कि उसके पति ने बाद में कैंची ली उसके बालों को भी काट दिया। महिला ने कहा कि उसने देरी से शिकायत इसलिए की क्योंकि उसके पति ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने इस बारे में किसी को भी बताया तो वह उसे मार देगा। पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर ली है और अब आरोपी पति को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

इमरान की नवाज, जरदारी को चेतावनी, देश का पैसा लौटाओ, वरना बचोगे नहीं

घोटकी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि वह देश के धन को वापस नहीं करते हैं तो उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सिंध प्रांत में घोटकी के खान घर में शनिवार को रैली संबोधित करते हुए खान ने कहा कि सरकार पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी नेताओं को ''तब तक नहीं बख्शेगी जब तक कि वह देश के धन को वापस नहीं कर देंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा,''यह देश आपको छोड़ने वाला नहीं है, आपके पास केवल एक ही रास्ता है देश के धन को लौट दें हम तब आपको बख्श देंगे।'' उन्होंने कहा,''पहले शरीफ बंधुओं(पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और नेशनल असेम्बली में विपक्ष के नेता शाहबाज शरीफ) ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी भ्रष्ट हैं, बाद में जरदारी और उनके पुत्र बिलवाल भुट्टो जरदारी ने शरीफ बंधुओं को भ्रष्ट कहना शुरू कर दिया।'' खान ने कहा,''आज दोनों ही साथ आकर 'लोकतंत्र बचाओ' का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने दोनों दलों के राजनीतिक कदम की समझदारी पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि वह दोनों विपक्षी दलों को 'चुनौती' देते हैं कि वह जो करना चाहते हैं, कर लें, लेकिन सरकार उन्हें जिम्मेदार ठहराने के अपने कदम को पीछे नहीं खींचने वाली है। प्रधानमंत्री ने अपने विरोधियों से कहा,'' वह अपने ट्रेन मार्च पर आगे बढ़ सकते हैं। इस्लामाबाद के डी.चौक पर धरने पर बैठ सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार के कंटेनर्स तैयार हैं। खान ने कहा, ''हम आपको कंटेनर्स में खाद्य उपलब्ध करायेंगे।

मैं यह देखना चाहेंगे कि वह कितनी देर ठहर सकते हैं।'' खान ने कहा,'' हमने (पीटीआई) ने साढ़े चार माह धरना दिया, लेकिन अपनी चोरी के लिए देश के लोकतंत्र और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए दिया था।'' मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद का देश से गरीबी उन्मूलन का उदाहरण देते हुए खान ने कहा, '' स्मरण करो, देश गरीब नहीं होते, भ्रष्टाचार देश को गरीब और ऋणी बना देता है।''

ब्रिटिश न्यायाधीश ने पूछाः क्या नीरव और माल्या को जेल की एक ही कोठरी में रखा जाएगा

लंदन। ब्रिटिश अदालत में नीरव मोदी की दूसरी जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान कुछ हल्के-फुल्के पल देखने को मिले। दरअसल, न्यायाधीश एम्मा आर्बथनॉट ने अभियोजन पक्ष से पूछा कि यदि भगौड़े कारोबारी नीरव को भारत प्रत्यर्पित किया जाता है तो क्या उसे भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्या के साथ जेल की एक ही कोठरी में रखा जाएगा? न्यायाधीश ने कहा, ''क्या हम जान सकते हैं कि भारत के किस हिस्से में उसकी (नीरव मोदी) तलाश है ताकि यह समझा जा सके कि उसे किस जेल में रखे जाने की संभावना है?'' भारत सरकार की तरफ से दलीलें पेश कर रही शाही अभियोजन सेवा (सी.पी.एस.) ने न्यायाधीश को बताया कि नीरव को प्रत्यर्पित कर मुम्बई ले जाया जाएगा और उसे शहर की आर्थर रोड जेल में रखा जा सकता है, जहां माल्या को भी रखने की तैयारी चल रही है। इस पर न्यायाधीश ने मजाकिया लहजे में कहा कि दोनों की कोठरी एक ही हो सकती है क्योंकि माल्या के प्रत्यर्पण के मुकद्दमे की सुनवाई के दौरान सौंपे गए वीडियो से हमें पता चला है कि वहां जगह है। बता दें कि भारत ने ब्रिटेन की अदालत को बताया कि माल्या को मुम्बई की आर्थर रोड जेल परिसर के भीतर दोमंजिला इमारत की एक उच्च सुरक्षा बैरक में रखा जाएगा।

चीन की दूसरी बैठक में शामिल होंगे 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि, भारत करेगा बहिष्कार

बीजिंग।

चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) की दूसरी बैठक में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इसमें करीब 40 देशों की सरकार के नेता भी शामिल हो रहे हैं। चीन ने पहली बीआरआई बैठक 2017 में की थी। यह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे पसंदीदा परियोजना है। इस परियोजना का मकसद दुनियाभर में चीन के निवेश से बुनियादी परियोजनाओं का विकास कर चीन के प्रभुत्व का विस्तार करना है। भारत ने पहली बीआरआई बैठक का बहिष्कार किया था। भारत ने पहली बीआरआई बैठक का बहिष्कार किया था। इसकी वजह चीन की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना का विवादास्पद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरना है। चीन में भारत के राजदूत विक्रम मिसरी ने हाल ही में चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में दूसरी बीआरआई बैठक का भी बहिष्कार करने की बात कही थी।

चीन के स्टेट काउंसलर यांग जेइची ने सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 40 देशों की सरकारों के नेताओं समेत 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दूसरी बीआरआई बैठक में शामिल होंगे।

चौकीदार प्योर है, पीएम बनना श्योर है : बाबा रामदेव

सूरत। सूरत आए योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की और कहा कि चौकीदार प्योर है, पीएम बनना श्योर है।। बाबा रामदेव ने सूरत के कापोद्रा पतंजलि परिधान का उदघाटन किया। जहां मीडिया से बातचीत में बाबा रामदेव ने कहा कि योग करने से लोग विधायक सांसद और मुख्यमंत्री बन रहे हैं। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि देश में राहुल गांधी का नारा ठप हो चुका है। पूरे देश का मिजाज पीएम मोदी के साथ है। कुछ विरोधी उल्टी सीधी बातें कर रहे हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने कहा कि चौकीदार प्योर है और उसका दोबारा पीएम बनना श्योर है। चौकीदार का मुद्दा देशभक्ति से जुड़ा है। भारत में बेरोजगार समेत मुद्दे आज से नहीं कई सालों से चले आ रहे हैं। फिलहाल देश सुरक्षति हाथों में है। देश की सभी राजनीतिक दल सरकार बनाने का प्रयास करेंगे। लेकिन देश जिसके हाथ में सुरक्षति होगा, उसी पार्टी की सरकार बनेगी। प्रियंका गांधी के मंदिर जाने के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कभी कई लोगों को हिन्दुत्व और भगवा आतंकवाद दिखता था। अब सभी को ऐसा लगने लगा है कि हिन्दुओं की बात करनेवाला ही हिन्दुस्तान पर राज करेगा। इसे चुनावी ट्वीस्ट बताते हुए उन्होंने कहा कि मोदी के खिलाफ कोई भी खड़ा हो जाए, जीत मोदी की ही होगी। उन्होंने मोदी के व्यक्तित्व की तुलना हिमालय से की।

अमित शाह के हलफनामे में दिया ब्यौरा, 23.45 करोड़ की संपत्ति विरासत में मिली

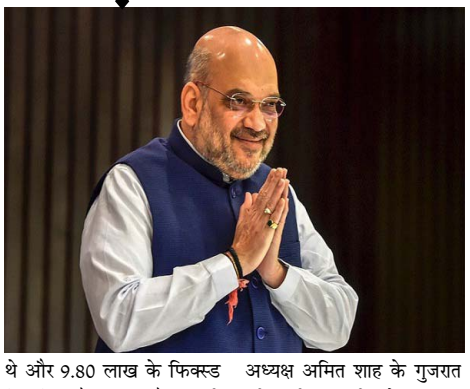

गांधीनगर। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने गांधीनगर लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। शाह के चुनाव आयोग को दिए हलफनामे के मुताबिक उनकी संपत्ति और उनके पत्नी की चल और अचल संपत्ति 38.81 करोड़ है। इसके अनुसार, 38.81 करोड़ में 23.45 करोड़ की विरासत में मिली संपत्ति,चल और अचल संपत्ति भी शामिल है। नामांकन दाखिल करते समय शाह के पास 20,633 नकदी थे, जबकि उनकी पत्नी के पास 72,578 रुपये थे। हलफनामे के मुताबिक, शाह और उनकी पत्नी के कई बैंक बचत खाते में 27.80 लाख थे और 9.80 लाख के फिक्स्ड डिपॉजिट हैं। शाह और उनकी पत्नी की आमदनी उनकी नई आयकर विवरणी (आईटीआर) के मुताबिक 2.84 करोड़ है। इसके पूर्व शनिवार को बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के गुजरात की गांधी नगर सीट से नामांकन के लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी और बीजेपी की विचारधारा एक है और दोनों के बीच जो मत भिन्नता और मनमुटाव था वह अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। नामांकन दाखिल करते समय शाह के पास 20,633 नकदी थे, जबकि उनकी पत्नी के पास 72,578 रुपये थे। हलफनामे के मुताबिक, शाह और उनकी पत्नी के कई बैंक बचत खाते में 27.80 लाख थे और 9.80 लाख के फिक्स्ड डिपॉजिट हैं। ठाकरे ने अहमदाबाद में कहा कि बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के गांधीनगर सीट पर नामांकन से पहले सरदार पटेल चौक पर हुई सभा मे विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि एक विचारधारा वाली दो पार्टियों के लड़ने झगड़ने से कुछ लोग खुशी मना रहे थे। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को मेरे यहां पहुंचने से आनंद हुआ पर कुछ को पेट मे दर्द हो रहा होगा। कुछ लोग खुशी मना रहे थे कि एक विचारधारा वाले दल लड़ झगड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच मत भिन्नता मनमुटाव जरूर था पर जब अमित शाह जी मेरे घर आए और बात हुई तो यह सब खत्म हो गया। शिवसेना और बीजेपी की विचारधारा एक है जो हिन्दुत्व है। मेरे पिताजी (स्वगीय बालासाहेब ठाकरे) कहते थे कि हिन्दुत्व हमारी सांस है।

इम्ब्राइडरी जाब वर्क का पेमेन्ट देने के बजाय जान से मारने की धमकी

सूरत। इम्ब्राइडरी कारखानेदार द्वारा जाब वर्क कराने के बाद पिछले 2.5 वर्ष के पेमेन्ट का कल 69,95,887 रु. देने के बजाय स्वामी नगर विभाग-2, कापोद्रा निवासी विरेन भाई विनूभाई जीयाणी को पेमेन्ट न देने के साथ ही यदि पेमेन्ट के लिए कभी फोन किया तो जीवित नहीं छोडुंगा की धमकी भी दे दी। मिली जानकारी के अनुसार कापोद्रा कलाकुंज मदिर के पीछे स्वामीनारायण नगर विभाग-2 के रहीश विरेन भाई विनूभाई खीमजी भाई जियाणी ने आरोपी अरविन्द भाई बाबूभाई पटेल, पियुष भाई नानूभाई मालवीया, परेश बालूभाई बाबरिया तथा संजय भाई की संयुक्त मालिकी की फर्म जानकी क्रिएशन एवं जानकी फैशन जो मावाणी शोपिंग सेंटर की दुकान नं. 201 एवं 202 वराछा मिनी बाजार स्थित है से जाबवर्क पर 3-10-2016 से 31-03-2019 तक इम्ब्राइडरी का काम किया जिसमें अब तक के हिसाब में काफी टालमटोल के बाद आज संजय भाई नामक आरोपी ने पिछला पूरा पेमेन्ट देने से न सिर्फ मना किया बल्कि यह भी धमकी दी कि मेरी पहुंच का तुम्हे पता नहीं है तू मेरा कुछ नहीं कर पाएगा, जो करना हो मेरा कर लेना मैने उपरोक्त कारखाना बन्द कर दिया है अब तुम्हे पैसा नहीं मिलेगा यदि भविष्य में पैसे क मांग की या फोन किया तो तुम्हे जीवित नहीं छोडुंगा।

उपरोक्त स्थिति में विरेन भाई वीनू भाई ने वराछा पुलिस स्टेशन में फरियाद की जिसके आधार पर पुलिस ने एफ.आई. आर दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच पी.एस.आई. श्री पी.डी. वांदा कर रहे है।

गुण्डों द्वारा सरेआम रोड़ पर मार-पीट व जान से मारने की धमकी

सूरत। मोटा वराछा अभिलाषा एपार्टमेन्ट के सामने जाहेर रोड़ पर गुण्डों ने कार में जाते हुए सपरिवार राजेश भाई कुवेर भाई भायाणी पर हमला कर लहुलुहान करने के साथ ही उनकी कार को भी तोड़ फोड़ डाला जैसे गुण्डों को पुलिस प्रशासन का कोई डर ही नहीं रहा।

मिली जानकारी के अनुसार कल अभिलाषा अपार्टमेन्ट के पास रोड़ पर राजेश भाई कुबेर भाई भायाणी अपनी पत्नी गीताबेन भाभी मधुबेन के साथ अपनी कार से जा रहे थे। अभिलाषा अपार्टमेन्ट के सामने पहुंचे, पीछे से आती फोरव्हील गाडी ने राजेश की गाड़ी को ओवरटेक करते हुए कार के अगले हिस्से में टक्कर मार दी, इसके बाद आगे कार के सामने गाड़ी खड़ी कर उसमें से हीराभाई रामजी भाई भायाणी, निवासी प्रिया होटेल के पास शिरड़ी धाम सोसाइटी वराछा रोड़ सुरत हर्षद भाई भायाणी निवासी तपसील सोसायटी हीराबाग वराछा सूरत पीयुष भाई हर्षद भाई भायाणी तपसील सोसायटी वराछा शरदभाई तुलसी भाई खुंट एवं जमनाबेन हीरा भाई भायाणी प्रिया होटेल के पास की रहने वाले, नीचे आए जिनके हाथ में लोहे के राड़ एवं बेजबोल की बैट व हाकी इत्यादि थे। उपरोक्त आरोपियो ने बिना कुछ बोले गाड़ी से उतरकर राजेश भाई की गाड़ी में तोड़ फोड़ करने लगे गाड़ी के शीशे इत्यादि भी तोड़ डाले पीयुष एवं शरद ने लोहे के रोड़ एवं हाकी से गीता बेन एवं मधुबेन को बुरी तरह से मारा इसमें पेट के भाग एवं दाहिने हाथ पर पाइप लगने से मुढ मार के कारण सूजन आ गयी तथा मधुबेन की पीठ में गाड़ी का टुंटा काच लगने से चोटे आई है। इस सब कार्यवाही के दरम्यान जमना बेन नामक महिला गंदी गंदी गालियां देने के साथ और मारनेके लिए उत्तेजित कर रही थी तथा पीयुष एवं शरद ने फरियादी को जान से मारने की धमकी भी दी है। उपरोक्त संदर्भ में आज राजेश भाई ने उपरोक्त पांचो आरोपियों के विरुद्ध एफ.आइ.आर. अमरोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। मामले की जांच कारेणा कर रहे है।

भरुच की लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते है अहमद पटेल, कार्यकर्ताओ में उठी मांग

अहमदाबाद/नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर अब गिनती के दिन बचे है। वहीं पर कोंग्रेस- भाजपा अपने अपने उम्मीदवारो की लिस्ट जारी कर चुकी है लेकिन अब कोंग्रेस भाजपा पार्टी के साथ दांव चलने में कोई कसर छोड़ नही रही है। राज्यसभा के चुनावों की जीत के बाद कोंग्रेस के कार्यकर्ताओ में फिर से कोंग्रेस के दिग्गज नेता अहमद पटेल भरुच सीट पर से इज दा बेक हो सकते हैं। कोंग्रेस कार्यकर्ता की एक मांग उठी के हे कि वो भरुच से चुनाव लड़े बल्कि काफी साल बाद लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अहमद पटेल भरुच से चुनाव लड़ सकते है।

इस सीट से फिलहाल कोंग्रेस सिर्फ 8 बार ही जीत हांसिल कर पाई हैं। अब देखना ये है कि 2017 में राज्यसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव की जीत को अहमद पटेल भाजप से छीन पायेंगे क्या..? अहमद पटेल 1977, 80 और 85 में गुजरात की भरूच सीट से लोकसभा सांसद रहे चुके हैं अहमद पटेल। 1989 में राम मंदिर मुद्दा आने पर 21 हजार वोटों से हार गए थे। 1991 में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद पटेल राज्यसभा से सांसद बनते रहे हैं।

अहमद पटेल के हारने के बाद से कांग्रेस भरूच सीट कभी जीत नहीं पाई। इस सीट पर अब तक कुल 17 बार चुनाव हुए हैं। इनमें से पहले आठ चुनाव कांग्रेस ने जीते, जबकि पिछले 9 चुनाव में बीजेपी ने बाजी मारी। सीट पर एक बार 1998 में उपचुनाव हुए और उसमें भी बीजेपी को जीत मिली। यानी बीते 1989 से 2014 तक जितने भी लोकसभा के आम चुनाव या उपचुनाव इस सीट पर हुए, उसमें भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजय मिली है।

सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा में लू की चेतावनी

गर्मी का कहर : भुज में सबसे अधिक ४१.८ डिग्री तापमान

अहमदाबाद। गुजरात में मार्च महीने में ही मई जैसी भीषण गर्मी पड़ने के चलते लोगों की हालत खस्ता हो रही है । मौसम विभाग की मानें तो आगामी ४८ घंटे तक गुज रात के लोगों को भीषण गर्मी और गर्म हवाओं के थपेड़ों से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। रविवार के दिन भी अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत सहित गुजरात, कच्छ-सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के इलाकों में लू चलने की चेतावनी दी गई थी। शुक्रवार को मुकाबले शनिवार को गर्मी के तेवर थोड़े नरम पडे, लेकिन ज्यादा राहत नहीं मिली थी । सुरेन्द्रनगर में सबसे ज्यादा ४१.३ डिग्री सेल्सीयस पारा रिकॉर्ड किया गया, जबकि अहमदाबाद शहर में पारा ४१.५ डिग्री रहा । जो सामान्य से ३.५ डिग्री अधिक है । शुक्रवार के मुकाबले १२ डिग्री कम रहा। वडोदरा में पारा ४०.४ डिग्री रहा, गांधीनगर में ४०, सूरत में ३४.८, राजकोट में ४०.२ डिग्री सेल्सीयस पारा रिकॉर्ड किया गया । मौसम विभाग ने चेतावनी दी थी कि रविवार को गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, अहमदाबाद, सूरत, वलसाड, वडोदरा, कच्छ, पोरबंदर, अमरेली, सुरेन्द्रनगर, राजकोट और भावनगर जिले में लू के थपेड़े लोगों को परेशान करेंगे । लोगों को बिना वजह गर्मी में बाहर नहीं निकलनने की सलाह ही स्थानीय महानगर पालिका, नगर पालिका प्रशासन की ओर से दी गई है ।

ट्रेक्टर और बाइक के बीच दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

दाहोद। जिले के कालियाकुवा गांव के निकट ट्रेक्टर और मोटर साइकिल के बीच हुई दुर्घटना में एक शख्स की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि दो लोगों की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की देवगढ़ बारिया तहसील के कालियाकुवा के निकट ट्रेक्टर ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया।

पांचवी कक्षा में पढने वाली पुत्री पर पिता द्वारा दो वर्षों से बलात्कार

सूरत। शहर के विकास के साथ ही अपराधों में भी दिन प्रतिदिन बढोतरी हो रही है। दुष्कर्म एवं हत्या के अपराधों में भी स्थिति दिन प्रति दिन बिगड़ती जा रहीं। पिछले कुछ वर्षो से छोटीउम्र के बच्चे दुष्कर्म एवं हत्या के शिकार ज्यादा हो रहे है। ऐसा ही एक मामला सूरत के उगत गाम शाला में भी सामने आया है। जिसमें पिता कक्षा पांच में पढती अपनी सगी पुत्री को ही अपनी हवस का शिकार पिछले दो वर्षो से बना रहा था। मिली सुचना के अनुसार सुरत पुलिस द्वारा गुडटच एवं बैडटच के सन्दर्भ में चलाये जा रहे जागृति अभियान के तहत उगत की पाठशाला में एक ऐसा ही आश्चर्य जनक प्रकरण प्रकाश में आया है।

गुजरात: जामनगर में छापा मारकर दुबई से लाया गया 100 किलो सोना बरामद किया

जामनगर। मुंबई में दी गई दबिश से मिले सुराग के आधार पर डीआरआई एवं अन्य एजेंसियों ने गुजरात के जामनगर में छापा मारकर दुबई से पीतल के कबाड़ के नाम पर लाया गया 100 किलो सोना बरामद कर लिया। अधिकारियों ने कारखाने के बाद कारखाने मालिक के घर पर भी छापा मारा। जामनगर के दरेड़ जीआईडीसी फेज- 2 में पीतल का कुल पुर्जा बनाने वाला कारखाना है।

डीआरआई को जानकारी मिली थी कि कारखाना मालिक पीतल के कबाड़ के साथ ही दुबई से सोने की तस्करी भी करता है। इस जानकारी के आधार पर मुंबई डीआरआई एवं अन्य एजेंसियों ने कल देर शाम दबिश देकर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान अधिकारियों ने जामनगर के इस कारखाना मालिक की कार का पीछा कर कागजात बरामद कर लिए। इससे साबित हो गया कि यह पीतल के कबाड़ के साथ सोने के बिस्कुट की भी तस्करी करता हैं।

इसके बाद कारखाने में मारे गए छापे के दौरान पीतल के कबाड़ के कंटेनर में छिपाया गया 100 किलो सोने के बिस्कुट बरामद कर लिए। डीआरआई ने गुरुवार को छापा मारकर मुंबई से 110 किलो सोना बरामद कर सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इन लोगों ने बताया कि वे दुबई से सोना लाकर बाजार में बिक्री कर देते है। मुंबई डीआरआई एवं अन्य एजेंसियों ने कल देर शाम दबिश देकर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान अधिकारियों ने जामनगर के इस कारखाना मालिक की कार का पीछा कर कागजात बरामद कर लिए। सूत्रों की मानें तो यहां मिली जानकारी के आधार पर ही गुजरात के जामनगर में दबिश देकर 100 किलो सोने के बिस्कुट बरामद किए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)